Cut in Power Supply to Defence Units of States

5290 SHRI V. MAYAVAN
SHRI PRABHU DAS PATEL

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether in some States like Uttar Pradesh, Haryana, Gujarat and Madras power cut has been applied to defence units also, if so, the names of the States,

(b) what are the defence units affected and whether this will greatly harm the defence measures,

(c) if so whether Centre has directed the State Governments not to apply power cut to the defence units in their respective States, and

(d) if so, the reaction of the State Governments?

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) (a) Yes, Sir Power cut has affected some of the Defence Production units in the States of Uttar Pradesh, Maharashtra, Andhra Pradesh, Mysore and Union territories of Chandigarh and Goa

(b) The defence units affected are Bharat Electronics, Bharat Earth Movers, Hindustan Aeronautices, located at Bangalore and Kanpur, Praga Tools, Secunderabad and ordnance factories situated in the above-mentioned States.

(c) and (d), The Ministry of Defence requested the Government of Mysore, where some of the important Defence production units are located, to restore the power cut They have relaxed the cut in one unit and have agreed to review the position in the case of other units

इस्पात का रक्षित भण्डार बनाना

5291. श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल क्या इस्पात और खान मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश मे क्या 50 हजार टन इस्पात का रक्षित भण्डार बनाने की कोई योजना है ,

(ख) यदि हा, तो उसकी मुख्य बात क्या हैं, और

(ग) इसका वितरण किस प्रकार किया जाएगा और यह रक्षित भण्डार कब तक बना दिया जाएगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) (क) से (ग) रक्षित भण्डार बनाने का कोई प्रस्ताव नही है लेकिन इस्पात बैक योजना मे प्राथमिक इकाइयो की अत्यावश्यक आवश्यकताओ को उनके वैध आयात लाइसेस/लाइसेस/रिलीज आर्डर पर बैक से पूरा करने के लिए इस्पात की क्रिटिकल मदो का स्टाक बनाने की व्यवस्था है । यह बैक हिन्दुस्तान स्टील लि० के परिचालन नियत्रण मे काम करेगा । यह बैक इस्पात की उन क्रिटिकल श्रेणियो की आवश्यकताओ की पूर्ति करेगा जिनकी सामान्य आयात नीति के अधीन आयात की प्रतीक्षा नही की जा सकती और इस प्रकार विभिन्न प्रायोजनाओ के निष्पादन मे होने वाले लम्बे तथा महगे पडने वाले विलम्ब से बचा जा सकता है । चूकि बैक इन मदो की आपूर्ति आयात लाइसेंस/रिलीज आर्डर पर करेगा अत बैक इनका प्रयोग स्टाक के पुनर्भरण के लिए करेगा । स्टील